रॉबर्ट हॉन © ए. ई. - ब्रूस्टर्स्की/ द वॉशिंगटन

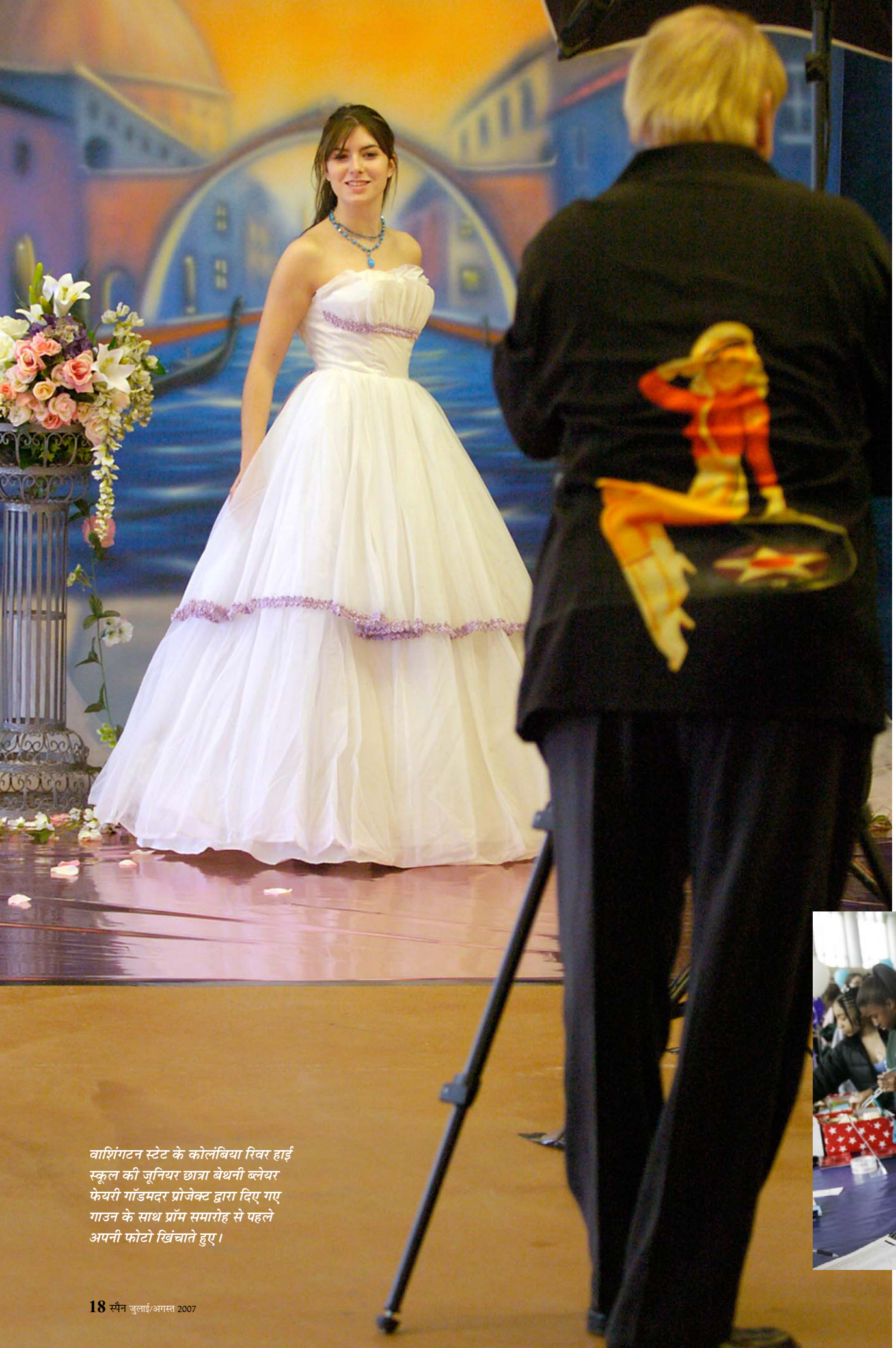

वाशिंगटन स्टेट के कोलंबिया रिवर हाई स्कूल की जूनियर छात्रा बेथनी ब्लेयर फेयरी गॉडमदर प्रोजेक्ट द्वारा दिए गए गाउन के साथ प्रॉम समारोह से पहले अपनी फोटो खिंचाते हुए।

अमेरिकी स्कूलों में प्रॉम डांस की खास शाम

लॉरेन मॉनसेन

परोपकारी संस्थाओं की मदद से पूरे होते हैं छात्र-छात्राओं के विशेष पोशाक पहनने के सपने

अमेरिका के किशोर-किशोरियों की तमाम पीढ़ियों के लिए सेकेंडरी स्कूल की जूनियर और सीनियर कक्षाओं की पढ़ाई के वर्ष पूर्ण होने के बाद आयोजित होने वाला ''प्रॉम'' डांस उनकी किशोरावस्था की सबसे बड़ी सामाजिक घटना रही है: किशोरावस्था में प्रवेश करने का एक अमेरिकी अनुष्ठान, जिसकी पहचान है विशेष सांयकालीन परिधान, फूल और ढेर सारा उल्लास और मौज-मस्ती।

लेकिन, कई किशोरियों के लिए विशेष प्रकार के गाउन और उसके साथ मेल खाते जूते, हैंडबैग तथा आभूषणों के भारी खर्च के कारण प्रॉम डांस का अनुभव उनके बूते से बाहर हो जाता है।

''प्रॉम'' शब्द की उत्पत्ति 19 वीं सदी में प्रचलित ''प्रॉमिनाड बॉल'' नृत्य से हुई है जो सेकेंडरी स्कूल की उच्च कक्षाओं के छात्रों का अध्ययन सत्र पूरा होने पर परंपरा के अनुसार ग्रेजुएशन बॉल के रूप में आयोजित किया जाता था। प्रॉम डांस के आयोजन में लड़के विशेष रूप से टक्सीडो जैकेट और लड़कियां फर्श तक लहराने वाली विशेष पोशाक पहनती हैं।

फेयरी गॉडमदर प्रॉजेक्ट (www.fairygodmotherproject.com) के अध्यक्ष एलन चांग कहते हैं, ''प्रॉम अमेरिकी किशोर-किशोरियों के जीवन में मील के पत्थर की तरह महत्वपूर्ण घटना है। यह संस्था ह्यूस्टन, टेक्सस में छात्र-छात्राओं को प्रॉम समारोह के मौके पर खास पोशाकें मुहैया कराती हैं।

वह कहते हैं, ''प्रॉम का सीजन प्राय: मार्च से मई तक होता है। तब किशोर-किशोरियां लगातार इसके बारे में बातें करते हैं और उन पर इसमें सही तरीके से भाग लेने का अपने साथियों का दबाव रहता है। अक्सर प्रॉम सेकेंडरी स्कूल ग्रेजुएशन समारोह की अपेक्षा बड़ा आयोजन होता है। इनमें से तमाम किशोर-किशोरियां इस अवसर पर पहली बार औपचारिक पोशाक पहनते हैं।''

अमेरिका भर में इलिनॉय राज्य के शिकागो क्षेत्र में कार्यरत ग्लास स्लिपर प्रॉजेक्ट (www.glassslipperproject.org) और केंटकी तथा इंडियाना राज्यों में कार्यरत सिंड्रेलाज क्लोजेट (www.cinderellasclosetnky.org) जैसे आकर्षक नामों वाली परोपकारी संस्थाएं नए और पुराने औपचारिक गाउन तथा अन्य चीजें एकत्र करके ऐसे छात्रों में नि:शुल्क वितरित करते हैं जिनके लिए इन्हें खरीदना बूते से बाहर की बात है।

देश भर में यह माना जाता है कि यह परंपरा गैर सरकारी संस्था ग्लास स्लिपर प्रॉजेक्ट ने शुरू की। यह संस्था स्थानीय पब्लिक स्कूलों में दान में मिले कपड़ों और अन्य चीजों के 'बूटीक' लगाती है। अब तक इस संस्था ने 10,000 से अधिक किशोरियों को उनकी उपयुक्त प्रॉम पोशाक दिलाने में सहायता की है।

शिकागो क्षेत्र के सेकेंडरी स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने प्रॉम के सीजन में लगातार तीन शनिवारों तक ग्लास स्लिपर प्रॉजेक्ट के स्वयंसेवकों की सहायता से अपने मनपसंद गाउन और अन्य चीजें चुनीं। ये स्वयंसेवक लड़कियों के व्यक्तिगत सहायकों की तरह उनकी मदद करते हैं। यद्यपि अलग-अलग क्षेत्र में संस्थाओं से इस सहायता को पाने के लिए योग्यताएं भी अलग-अलग हैं। लेकिन ग्लास स्लिपर प्रॉजेक्ट को आर्थिक सहायता की आवश्यकता का प्रमाण देने की कोई ज़रूरत नहीं होती है। शिकागो मैट्रोपॉलिटन या उपनगरीय क्षेत्र के किसी भी पब्लिक या प्राइवेट हाईस्कूल की जूनियर या सीनियर स्तर की लड़कियां इस सुविधा का लाभ उठा सकती हैं। बस, उनके पास बूटीक में दिखाने के लिए सेकेंडरी स्कूल का वैध पहचानपत्र होना चाहिए।

स्यू ओरोफर्क © ए.पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

स्टीव मिशेल © ए.पी.-डब्ल्यू.डब्ल्यू.पी.

बिल्कुल बाएं: मिडवेस्ट सिटी, ओक्लाहॉमा के रोज स्टेट कॉलेज में न्यू ऑर्लिएंस हॉर्नेट्स लीगेसी इनिशिएटिव द्वारा 1187 पोशाकें नि:शुल्क वितरित की गईं। इन्हीं में से प्रॉम डांस के लिए एक पोशाक चुनती हुई टेलर प्रिंग्ल।

बाएं : पाम बीच काउंटी, फ़्लोरिडा के सेंटाल्यूसेज हाई स्कूल में सीनियर छात्रा अमांडा सलीवैन बेक्काज क्लोजेट के बाहर जूते देखते हुए। बेक्काज प्रॉम समारोह के मौके पर उन लड़कियों को पोशाक और अन्य चीजें उपलब्ध कराती है जो इन्हें खरीदने में असमर्थ होती हैं।

कैटरीना तूफान से प्रभावित हाईस्कूल के विद्यार्थियों के लिए एकत्र पोशाकों में से एक नीली पोशाक चुनने के बाद आल्हादित मुद्रा में ओसिएन स्प्रिंग्स, मिसिसिपी की 17 वर्षीय निकोल गिलक्रीज।

साभार एसो. प्रेस © पी. ए. ग्रैब्स्कैड्स पी./ मीनीपोलिस स्टार

सीमित आपूर्ति के कारण प्रत्येक ''खरीददारी के दिन'' कतार में से केवल 600 लड़कियों को ही बूटीक में जाने का आश्वासन दिया जाता है।

स्वयंसेवक कैरोलिन जॉनसन का कहना है कि ग्लास स्लिपर प्रोजेक्ट की ओर से ''बेघर तथा आश्रयस्थलों में शरण लेने वाली और विकलांग लड़कियों की मदद को उच्च प्राथमिकता दी जाती है। एक बार आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत पेरिस से एक लड़की आई थी, जिसे न्यू यॉर्क की फैशन डिज़ाइनर वेरा वांग द्वारा डिज़ाइन किया हुआ गाउन चाहिए था। उसे यह गाउन फ्रांस लौटकर स्कूल के एक औपचारिक समारोह में पहनना था। उसे विश्वास ही नहीं हो पा रहा था कि हम उसे वह गाउन मुफ्त दे रहे हैं। उसकी आंखों से आंसू बहने लगे।''

चांग कहते हैं कि ह्यूस्टन में फेयरी गॉडमदर प्रॉजेक्ट ज़्यादातर कैरिबियाई क्षेत्र, मध्य अमेरिका तथा नाइजीरिया के आप्रवासी किशोर-किशोरियों, आश्रय स्थलों में पल रहे बच्चों और निराश्रित किशोर-किशोरियों आदि की मदद करती है। मदद पाने वाले अधिकांश किशोर-किशोरियां वे होते हैं जो वित्तीय मुश्किलों से जूझ रहे होते हैं। चांग की संस्था पूरे समुदाय में ''ड्रेस ड्राइव'' आयोजित करके दान में कपड़े एकत्र करती है और इसमें वे प्राय: स्थानीय साझेदारों की मदद लेते हैं।

हाल ही में इस प्रोजेक्ट ने 'विजिबल चेंजेज' नामक हेयर-सैलून श्रृंखला के साथ साझेदारी शुरू की है। ''लोग उनकी विभिन्न शाखाओं में पोशाकें दे जाते हैं। वहां से उन्हें कार्पोरेट मुख्यालयों में पहुंचा दिया जाता है। जहां से उन्हें हम ले लेते हैं।''

फेयरी गॉडमदर प्रोजेक्ट में आने वाली लड़कियों की मदद लगभग 35 स्वयंसेवक करते हैं जो साल भर दान में मिले गाउनों, जूतों, पर्सों, शॉल, आभूषणों और बिल्कुल नई सीलबंद मेकअप की सामग्री से प्रॉम सामग्री का चयन करते हैं। लड़कों को टक्सीडो जैकेटें मुफ्त उधार दी जाती हैं।

चांग कहते हैं, ''स्वयंसेवक खुशी-खुशी यह काम करते हैं और गाउन पहन कर लड़कियों के चेहरे पर बदलते भावों को देख कर खुश होते हैं। हमारे कुछ स्वयंसेवक मेकअप आर्टिस्ट और हेयर स्टाइलिस्ट होते हैं जो तैयार होने में लड़कियों की मदद करते हैं। उन किशोरियों को यह अतिरिक्त लाभ मिल जाता है क्योंकि वे इस तरह की प्रोफेशनल सेवा पर व्यय नहीं कर सकतीं।''

लेकसाइड पार्क, केंटकी में इमैनुएल यूनाइटेड मेथोडिस्ट चर्च सिंड्रेलाज क्लोजेट चलाता है जिसकी ओर से सुविधाओं से वंचित लड़कियों को ''खरीददारी के खास दिन'' दान में मिले गाउन तथा अन्य चीजें चुनने का मौका दिया जाता है। हर लड़की के साथ उसकी अपनी 'फेयरी गॉडमदर' रहती है जो इस काम में उसकी मदद करती है। इमैनुएल यूनाइटेड की युवा मामलों की मंत्री सूसन ईटन कहती हैं, ''इसमें भाग लेने के लिए लड़कियां अपने धर्मगुरु , स्कूल परामर्शदाता या सामाजिक कार्यकर्ताओं के माध्यम से आती हैं।''

ईटन बताती हैं, ''चर्च का युवा मामलों का विभाग इस काम में 50 से अधिक स्वयंसेवकों को लगाता है। इस वर्ष हमें इसमें काफी सफलता मिली और लगता है अगले वर्ष यह और बढ़ेगा। हमने स्थानीय स्कूलों में 'ड्रेस ड्राइव' का आयोजन किया और हमें 1,200 से अधिक पोशाकें मिलीं। जो पोशाकें बच जाएंगीं, उन्हें दान में आगे मिलने वाली पोशाकों के साथ 2008 के प्रॉम सीजन के लिए संभाला जाएगा।''

ईटन कहती हैं, ''हमें कृतज्ञ लड़कियों और उनके परिवारों से बड़ी संख्या में धन्यवाद के पत्र मिले। कुछ लड़कियों ने ई-मेल में अपने प्रॉम आयोजन की रिपोर्ट और फोटो भी भेजे। इससे बहुत संतुष्टि मिलती है।''

वह कहती हैं, ''प्रॉम वयस्क होने के अहसास का अनुष्ठान है। जब आप युवा हैं तो इसके लिए आपका मन करता है। हम नहीं चाहते थे कि कोई भी लड़की इस आयोजन में भाग लेने के सुअवसर से, अपने-आप को कुछ खास और सुंदर समझने के अहसास से केवल इसलिए वंचित रह जाए कि वह इसका खर्च नहीं उठा सकती।''

***लॉरेन मॉनसेन** यूएसइनफो की कार्यालय लेखिका हैं।*

भारत में एजुकेशन यूएसए के कार्यक्रम: जुलाई-अगस्त।

यूसेफ़ी कैलेंडर

UNITED STATES EDUCATIONAL FOUNDATION IN INDIA

उत्तरी क्षेत्र

7, 14, 21 अगस्त
यूसेफी, नई दिल्ली में दोपहर 2.30 बजे ''अमेरिका में उच्च शिक्षा की संभावनाओं'' पर मूल जानकारी।

2, 9, 16, 23, 30 अगस्त
अमेरिकन सेंटर, नई दिल्ली में दोपहर 2.30 बजे ''अमेरिका में उच्च शिक्षा की संभावनाओं'' पर मूल जानकारी।

31 जुलाई
यूसेफी, नई दिल्ली में ''अमेरिका में उच्च शिक्षा: अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए संभावनाएं'' विषय पर स्टेट यूनिवर्सिटी ऑफ न्यू यॉर्क के प्रतिनिधि के साथ जानकारी सत्र।

3 अगस्त
अमेरिकी विश्वविद्यालयों में 2007 के शरत सत्र के लिए प्रवेश लेने वाले छात्रों के लिए जाने से पूर्व जानकारी से संबंधित कार्यक्रम।

पूर्वी क्षेत्र

3-4 अगस्त
कोहिमा, नगालैंड और उसके आसपास के इलाकों के स्कूल और कॉलेजों में ''अमेरिका में उच्च शिक्षा'' विषय पर जानकारी देने के लिए गोष्ठियां।

27-31 अगस्त
गंगटोक, सिक्किम और उसके आसपास के इलाकों के स्कूल और कॉलेजों में ''अमेरिका में उच्च शिक्षा'' विषय पर जानकारी देने के लिए गोष्ठियां।

दक्षिणी क्षेत्र

1, 8, 22, 29 अगस्त
यूसेफी, चेन्नई में अमेरिका में उच्च शिक्षा से संबंधित मूल जानकारियां देने वाला कार्यक्रम ''नए संसार की तलाश''।

पश्चिमी क्षेत्र

2, 17 अगस्त
मुंबई के अमेरिकन सेंटर में यूसेफी सदस्यों के लिए सुबह 11 बजे अमेरिका में प्रवेश प्रक्रिया से जुड़े मसलों पर सवाल-जवाब कार्यक्रम।

8, 17, 29 अगस्त
मुंबई के अमेरिकन सेंटर में अमेरिकी उच्च शिक्षा के बारे में मूल जानकारी से संबंधित कार्यक्रम।

http://www.fulbright-india.org/